भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
रक्षा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 642
20 नवंबर, 2019 को उत्तर के लिए

रक्षा नेटवर्क की साइबर सुरक्षा

642. श्री कपिल मोरेश्वर पाटील :
श्री एन. रेड्डप्प :
श्री पसुनूरी दयाकर :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या साइबर हैकर और विदेशी आसूचना एजेंसियों द्वारा रक्षा नेटवर्क पर लगातार हमले की रिपोर्ट सरकार की सूचना में आई है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसी कितनी घटनाओं का पता चला है और अब तक कितना अनुमानित नुकसान हुआ है;

(ग) क्या सरकार का ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एक स्थायी साईबर कमांड केन्द्र स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) ऐसी गुप्त और संवेदनशील सूचना वाले रक्षा कर्मियों की सुरक्षा और साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद नाईक)

(क) से (घ): साइबर संसार में साइबर हैकिंग और साइबर हमलों के प्रयास एक सतत गतिविधि है। हाल के वर्षों के दौरान रक्षा स्थापनाओं पर साइबर हमलों के बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं है। सरकार ने रक्षा साइबर एजेंसी की स्थापना को संयुक्त साइबर कार्रवाइयों के नियंत्रण और समन्वय के लिए अनुमोदित किया है। तीनों सेनाओं की वर्गीकृत सूचना की विधिवत सुरक्षा की जाती है। साइबर जोखिमों को कम करने के लिए सभी तीनों सेनाओं ने अपनी संबंधित साइबर आपातकाल प्रतिक्रिया टीमें (सीईआरटी) स्थापित की हैं। सैन्य बलों का विशाल साइबर पोश्चर सुनिश्चित करने के लिए साइबर लेखा परीक्षाओं, वास्तविक जांचों और नीतिगत दिशा-निर्देशों के रूप में पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

*****